यह पुलिस की गुंडागर्दी है, या गुंडों की पुलिसगिरी ?

Written by कुमार सौवीर
Tuesday, 05 June 2018 20:58

: ख्‍यातनाम वकील प्रिंस लेनिन के घर पुलिस का कहर, मारपीट। गालियां पर ऐतराज किया, तो बहन को उठा ले गये थाने : राजधानी में पुलिस अब गुण्‍डागर्दी पर आमादा, गिरोहबंद अंदाज में पूरा घर तहस-नहस कर डाला : अवध बार ने की घटना की कड़ी निंदा, कार्रवाई करेंगे। वकीलों में आक्रोश :

कुमार सौवीर

लखनऊ : लखनऊ हाईकोर्ट के अधिवक्‍ता जगत में एक जानी-पहचानी शख्सियत माने जाते हैं प्रिंस लेनिन। उनके पिता भी ख्‍यातनाम वकील हैं।
हुसैनगंज में उनका घर है। कुछ दिन पहले उनके घर किसी गिरोहबंद गुण्‍डों की तरह पुलिसवालों ने उनके घर भयावह कहर बरपाया। घर में मौजूद बच्‍चों
से लेकर बुजुर्गों तक को आतंकित किया, महिलाओं के सामने नंगी-अश्‍लील गालियां दीं। इस पर जब लेनिन की बहन ने पुलिसवालों पर ऐतराज किया तो पुलिसवालों ने और भी भयावह तांडव मचाया और लेनिन की बहन को भी दबोच कर थाने ले गये। बहरहाल, इस घटना से अधिवक्‍ता जगत में काफी आक्रोश है। अवध बार एसोसियेशन के अध्‍यक्ष डॉ एलपी मिश्र ने इस घटना की कड़ी निंदा की है। उधर खबर मिली है कि बार के पूर्व महामंत्री आरडी शाही के नेतृत्‍व में वकीलों का एक प्रतिनिधि मंडल लेनिन के घर पूरी घटना की छानबीन करने गये हैं।

दरअसल, कुछ दिन एक महिला एक लेनिन के पिता से अपने एक ट्रस्‍ट में एक कमरा दे दिया था। उस महिला का कहना था कि वह अपने 78 वर्षीय पिता के साथ रखना चाहती है। लेकिन बाद में पता चला कि वह महिला वेश्‍यावृत्ति में संलिप्‍त है। इस पर लेनिन के पिता ने उसे कमरा खाली करने की नोटिस दे दी। इस पर वह महिला कुछ पुलिसवालों के साथ उनके घर गयी और जमकर हंगामा किया। पुलिसवालों ने लेनिन की बहन को पीटा, घसीटा और उनकी मां, बहन, बच्‍चों, पिता और अन्‍य पारिवारिक सदस्‍यों को भी बुरी तरह मारा। ऐतराज करने पर पुलिस वाले लेनिन की बहन को घसीट कर थाने ले गये। यह हादसा तब हुआ, जब एटीएस के एएसपी राजेश साहनी की अन्‍त्‍येष्टि चल रही थी।

न्‍यायपालिका की खबरों को पढ़ने के लिए कृपया निम्‍न लिंक पर क्लिक कीजिएगा:-

जस्टिस और न्‍यायपालिका

इस घटना से वकीलों में खासा आक्रोश है। अवध बार एसोसियेशन के अध्‍यक्ष डॉ एलपी मिश्र ने इस घटना की कड़ी निंदा की है, और कहा है कि एसोसियेशन इस मामले में कड़ी कार्रवाई करेगी। उन्‍होंने कहा कि लेनिन और उनके पिता एक जानेमाने वकील हैं, और आम आदमी के लिए जनहित

1 / 5

यह पुलिस की गुंडागर्दी है, या गुंडों की पुलिसगिरी ?

Written by कुमार सौवीर
Tuesday, 05 June 2018 20:58

याचिका दायर करने वाले जागरूक वकील के तौर पर भी उनकी पहचान है। डॉ मिश्र का कहना है कि वकीलों के सम्‍मान के साथ किसी भी तरह का समझौता नहीं किया जाएगा।

उधर एसोसियेशन के पूर्व महामंत्री आरडी शाही आज देर शाम लेनिन के घर पहुंचे। उनके साथ कई अन्‍य वकील भी मौजूद थे। अंतिम सूचना मिलने तक पता चला है कि वे अधिवक्‍ता नेतागण लेनिन के यहां पूरी बातचीत और छानबीन कर रहे हैं। आरडी शाही ने अवध बार एसोसिएशन के पदाधिकारी और सदस्यों से अपील की है कि वे इस मामले में तत्‍काल हस्‍तक्षेप करें। उनका कहना है कि ये एक गंभीर प्रकरण है जिस पर मौन घातक हो सकता है। इस घटना में शामिल पुलिस कर्मियों की पहचान और कठोर कार्यवाही समय की मांग है।

अधिवक्‍ता-जगत से जुड़ी खबरों को देखने के लिए कृपया निम्‍न लिंक पर क्लिक कीजिए:-

लर्नेड वकील साहब

उधर प्रिंस लेनिन ने इस मामले पर लखनऊ के एसएसपी को एक पत्र लिखते हुए उन्‍हें पूरी जानकारी से अवगत किया और कार्रवाई की मांग की है। उन्‍होंने लिखा है कि

Sir,

It seems u have not been briefed with the bitter truth behind the brutal incident which took place with my younger sister due to which she is still in state of shock. A lady who came to my 78yrs old father with a person claiming to b her husband and ask for a room at trust building for few days which was given to her without any charges. After a day the person told my father that he had lied as he is not her husband and the lady is a prostitute. Immediately they were asked to

2 / 5

यह पुलिस की गुंडागर्दी है, या गुंडों की पुलिसगिरी ?

Written by कुमार सौवीर
Tuesday, 05 June 2018 20:58

leave the place. The man left but the lady locked the room and went away. Few days after she appeared with a constable tiwari who tried to pressurize my parents to allow her to live there.

That constable one midnight came to my parents place and created nuisance. Broke the channel gate of my house. I tried calling u all that time and also send sos msg to ur PRO Arun, CO ganj, SP East. Next day got a call from SP east who assured of action as such NO COMPLAINT WAS MADE AGAINST POLICE. That constable acted illegally in favour of that indecent lady several times and tries to create pressure. Unfortunately on the day of funeral of Late Rajesh Shahni the constable tiwari alongwith several policemen came to the house and misbehaved, abused my old mother when my younger sister opposed their act she was brutally attacked, abused, beaten up and dragged by those POLICEMEN. When she tried to record it on her mobile her mobile was snatched by them. She was beaten up in the police station and locked up with male detenue and her clothes were torn. This incident from no point is an ordinary incident.

It has caused huge irreparable loss and injury, physical and mental, to my entire family which cannot be compensated. Initially the police pressurize for not filing a FIR against their colleagues. Medical examination was delayed. Hearing you depicted that you have not been informed about the correct facts. As such I am writing this msg to u for your kind perusal and action against the guilty police men. Thanks and regards.Prince Lenin

पुलिस से जुड़ी खबरों को देखने के लिए क्लिक कीजिए:-

बड़ा दारोगा

इस घटना की खबर पर फेसबुक पर भी हंगामा मचा हुआ है।

Saqib Siddiqui : Shameful&coward act committed by police. We all should stand united against this henious crime.

3 / 5

यह पुलिस की गुंडागर्दी है, या गुंडों की पुलिसगिरी ?

Written by कुमार सौवीर
Tuesday, 05 June 2018 20:58

As the dignity of a our colleague brother is at stake.

Vimal Pandey : अगर अभी अधिवक्ता संघर्ष नहीं करेगा तो आने वाले दिन अधिवक्ताओं के लिए और भी खराब हो जाएंगे अगर पुलिस राजधानी में एक वरिष्ठ अधिवक्ता के साथ ऐसा बर्ताव कर रही है तो प्रदेश की क्या हालत होगी गुंडई की हद है आंदोलन होना चाहिए इस घटना के
खिलाफ

Atul Pathak : बिलकुल सर हम सब आपके साथ हैं।

आपके अपडेट की प्रतीक्षा है।

Pawan Pandey : सर !.. जो भी आगे कार्रवायी हो जरूर बताएँ... एक प्रतिष्ठित अधिवक्ता और एक अच्छे व्यक्ति को पुलिस द्वारा इस प्रकार परेशान किया जाएगा विश्वास नहीं होता... आपके निर्णय का इंतज़ार है

Adv Rekha Srivastava : Ji jaroori hai

Arun Singh : We all r with u sir

Amit Tripathi : Kuch action jarur ho .

Shiivaani Kulshresthhaa : Lucknow ki police badmash hai. Ek to police vale law nahi jante hai. Khane chatne ke adde bana rakhe hai. Un addo ke bare me update kar do to personal relation valo ko ph karke dabav banate hai. Wakeelo me ekta nahi hai. Mai to bhukt bhogi hu. Police valo ko achha sabak milna chahiye.

Asif Rizvi Rinku : राजधानी की पुलिस इस तरह से बर्ताव कर रही है अधिवक्ताओं के साथ वह भी पेंसिलीन जैसे चर्चित बड़े अधिवक्ताओं के साथ तो पूरे उत्तर प्रदेश में अधिवक्ताओं का कैसे उत्पीड़न कर रही होगी पुलिस विषय बहुत गंभीर है बार एसोसिएशन को गंभीरता से लेना चाहिए इस

4 / 5

यह पुलिस की गुंडागर्दी है, या गुंडों की पुलिसगिरी ?

Written by कुमार सौवीर
Tuesday, 05 June 2018 20:58

मसले को

Adv Anoop Kumar Maurya : सर हम सब आपके साथ हैं।

Sunil Kumar Mishra : We are with you

Arvind Tewari : Shahi bhaisaheb, good evening. in response to your article, I have to simply say that as an when a missed call will be received form you, I will be available at the place, wherever you want to see me. Now, I am at waiting mode from right now till your call is not received. So plz give me a call with a view to respond you immediately. Advocate Arvind Kumar Tewari, cell nos. 9005553643, 9451576220.

Onkar Nath : Tiwari Sir as when news came into notice anxiety hum sabhi ko hai

Kamlesh Shukla Bhai Saheb, I spoke to him just before 10 minutes telephonically. You speak and please do tell if anything required. I am also of your view and any little silence could be very harmful. 9415785580, I am with you and him.

S R Shankar : राजधानी मे अधिवक्ता के परिवार के साथ सिपाहियो का यह दुर्व्यवहार व जबरदस्ती तथा बहन को थाने मे जबरन पकङकर रखना -इससे बङा और गंभीर बहुआयामी अपराध क्या हो सकता है। पुलिस वैश्यावृत्ति कराती है,वह अपराधियो को शरण देती है ,पर अब वह अधिवक्ता के घर मे जबरन चकलाघर चलवाएगी ? विरोध करने पर इतना दुस्साहस और आला पुलिस अधिकारियो की नाक के नीचे। इसके विरूद्ध गहरा गंभीर आक्रामक व व्यापक विरोध करना पङेगा।सर त्वरित निर्णय लीजिए, हम सब आएंगे।यह तो सरासर अत्याचार है।

5 / 5